संभागस्तरीय आउटरीच कार्यशाला में 150 से अधिक महिलाएं पहुंची, स्टार्ट अप को लेकर उत्साहित

शहर में जल्द आएगा आइस्टार्ट इन्क्यूबेटर

जोधपुर @ पत्रिका. शहर में आने वाले समय में जल्द ही आईस्टार्ट इन्क्यूबेटर आएगा। इससे नए स्टार्ट अप तैयार करने और महिलाओं की ओर से नई पहल करने में तेजी आएगी। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की ओर से संभाग के उद्यमी महिला स्वयं सहायता समूह और उभरते स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित संभाग सारीय आउटरीच कार्यशाला में विभाग के आयुक्त संदेश नायक ने यह बात कही। नायक ने आईस्टार्ट राजस्थान के बारे में बताते हुए प्रतिभागियों को आईस्टार्ट कार्यक्रम से जुड़ने और अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला में 250 से अधिक प्रतिभागियों को दो अलग अलग सत्रों में आईस्टार्ट प्रोग्राम से संबंधित जानकारी दी गई।

पत्रिका अभियान

स्टार्टअप से बदलेंगे फिजा

संभागस्तरीय आउटरीच कार्यशाला।

उद्यमियों से शेयर किए बिजनेस आइडिया : पहले सत्र में स्टार्टअप एवं उद्यमियों को मेंटर पवल सिंघल ने आईस्टार्ट प्रोग्राम के तहत दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया। मेंटर राकेश राव ने स्टार्ट अप से बिजनेस आईडिया को कार्यान्वित करने, कम्पनी फॉर्मेशन, ब्रांडिंग, मार्केटिंग और एमवीपी प्रोडक्ट फिट जैसे विषयों पर जानकारी दी।

इस सत्र में आईस्टार्ट के प्रोग्राम मैनेजर अमित पुरोहित की ओर से पैनल चर्चा का संचालन किया गया, जिसमे वूमेन इण्डिया चैम्बर ऑफ कार्मस एण्ड इंडस्ट्री की स्टेट प्रसिडेन्ट डॉ प्राची गौड़, द बूक कैफे की फाउण्डर एण्ड सीईओ रिचा शर्मा और सेन्ट्रल एकेडमी निदेशक अंकुर शर्मा ने अपने स्टार्ट अप के आइडिया शेयर किए।

150 में से 50 महिलाएं आईस्टार्ट राजस्थान से पंजीकृत : दूसरे सत्र में स्वयं सहायता समूहों की 150 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिसमें से 50 आइस्टार्ट राजस्थान से पंजीकृत थी। आइआइटी जोधपुर से प्रो. मनोज चौधरी ने कॅरियर बनाने के साथ-साथ अपनी आजीविका के अवसरों को समृद्ध बनाने पर व्याख्यान दिया। पैनल चर्चा में संयुक्त निदेशक तपन कुमार, रूमा देवी, डॉ रोहिनी शर्मा एवं अगरेश नागर ने भाग लिया।